कानपुर, शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 55, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड यूपी में सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले...>Pg12

संकरी गालियों में तन रहीं 'मौत की मीनारे'!...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

दिल्ली शराब नीति केस में बड़ा न्यायिक मोड़

केजरीवाल- सिसोदिया बाइज्जत बरी

राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुनाया, 'सत्य की जीत' बनाम 'जांच जारी' पर सियासी जंग तेज

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की बहुचर्चित आबकारी नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले ने राष्ट्रीय राजनीति को नई दिशा दे दी है। अदालत ने सीबीआई केस में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप सिद्ध करने के लिए पर्याप्त और ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सका। इस आदेश के साथ ही पिछले दो वर्षों से चल रहा 'शराब घोटाला' का राजनीतिक नैरेटिव निर्णायक मोड़ पर आ गया है।

फैसले के बाद अरविंद केजरीवाल मीडिया से बात करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा, हम पर चौबीसों घंटे भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए, लेकिन आज अदालत ने साबित कर दिया कि सत्य की जीत होती है। यह हमारे खिलाफ रचा गया राजनीतिक षड्यंत्र था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और

गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष को दबाने के लिए किया गया। मनीष सिसोदिया ने कहा दिल्ली की शिक्षा क्रांति को रोकने के लिए हमें फंसाया गया। लेकिन न्यायपालिका ने सच्चाई सामने रख दी। हमें देश की न्याय व्यवस्था पर भरोसा था। राउज एवेन्यू कोर्ट का यह फैसला कानूनी रूप से बड़ी राहत और राजनीतिक रूप से बड़ा मोड़ है। एक ओर आम आदमी पार्टी इसे 'सत्य की जीत' बताकर जनसमर्थन जुटाएगी, वहीं भाजपा कानूनी और राजनीतिक दोनों स्तरों पर अपनी अगली चाल तय करेगी। आने वाले महीनों में यह मामला दिल्ली और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय कर सकता है।

संजय सिंह और आतिशी का तीखा बयान

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इसे लोकतंत्र की निर्णायक जीत बताते हुए कहा कि दो साल तक मीडिया ट्रायल चलाया गया, लेकिन अदालत में एक भी ठोस सबूत पेश नहीं हो सका। यह साबित करता है कि पूरा मामला राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित था। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा दिल्ली की जनता ने हमेशा हमारे साथ खड़े होकर सच्चाई का साथ दिया। आज कोर्ट के फैसले ने साफ कर दिया कि ईमानदार राजनीति को बदनाम करने की कोशिश नाकाम रही। अब हम दोगुनी ताकत से काम करेंगे।

टाइमलाइनः कब-क्या हुआ?

- मार्च 2021 - नई आबकारी नीति लागू
- जुलाई 2022 - उपराज्यपाल की सिफारिश पर सीबीआई जांच शुरू
- फरवरी 2023 - मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी
- 2024 - अरविंद केजरीवाल पर कार्रवाई और पूछताछ
- फरवरी 2026 - राउज एवेन्यू कोर्ट ने CBI केस में दोनों को बरी किया

राजनीतिक असरः बदलता समीकरण

- आप को नैतिक बढ़त - पार्टी इसे राजनीतिक उत्पीड़न के खिलाफ जीत के रूप में पेश कर रही है
- भाजपा की रणनीति पर असर - भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बनाए गए नैरेटिव को पुनर्संतुलित करने की चुनौती
- विपक्षी एकता को बल - अन्य विपक्षी दलों ने इसे एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ उदाहरण बताया
- दिल्ली चुनाव प्रभाव - यह फैसला आगामी विधानसभा चुनाव में बड़ा मुद्दा बन सकता है

भाजपा का रुखः 'लड़ाई अभी खत्म नहीं'

भाजपा नेताओं ने कहा कि यह केवल CBI केस का फैसला है और अन्य जांच प्रक्रियाएं जारी हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने प्रतिक्रिया दी, 'नीति निर्माण में गंभीर अनियमितताओं के सवाल अब भी कायम हैं। कानूनी विकल्प खुले हैं और जरूरत पड़ी तो उच्च अदालत में अपील की जाएगी।'

अब आगे क्या होगा ?

- सीबीआई उच्च न्यायालय में अपील कर सकती है
- ईडी से जुड़े मामलों की सुनवाई अलग से जारी रह सकती है
- आप इस फैसले को राष्ट्रीय अभियान का आधार बना सकती है
- भाजपा कानूनी प्रक्रिया और नीति की खामियों पर फोकस कर सकती है

महोबा के पूर्व एएसपी वीरेंद्र कुमार पर आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज

सतर्कता विभाग की जांच के बाद एफआईआर, संपत्तियों और बैंक खातों की पड़ताल शुरू

स्वराज इंडिया ब्यूरो

महोबा/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में तैनात रह चुके पूर्व अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) वीरेंद्र कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किए जाने की सूचना है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की जांच में उनकी घोषित आय की तुलना में अधिक संपत्ति पाए जाने के आरोप सामने आए, जिसके बाद विधिक कार्रवाई की गई है।

सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत की गई है। जांच एजेंसियां अब पूर्व एएसपी की चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, निवेश, परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज संपत्तियों और संभावित बेनामी लेनदेन की भी पड़ताल कर रही हैं।

बताया जा रहा है कि जांच का दायरा महोबा के अलावा अन्य जिलों तक भी बढ़ाया जा सकता है, जहां वे पूर्व में तैनात रहे। विजिलेंस अधिकारियों का कहना है कि शिकायतों और प्रारंभिक सत्यापन के बाद नियमित जांच दर्ज की गई। दस्तावेजी साक्ष्य जुटाने के लिए संबंधित विभागों से अभिलेख मांगे गए हैं। आयकर रिटर्न, वेतन विवरण, संपत्ति विवरण और रजिस्ट्रियों का मिलान कराया जा रहा है। यदि आरोप पुष्ट होते हैं तो आरोपपत्र दाखिल कर न्यायालय में अभियोजन की कार्रवाई आगे बढ़ेगी।

हालांकि, पूर्व एएसपी या उनके अधिकृत प्रतिनिधि की ओर से अब तक सार्वजनिक रूप से कोई विस्तृत बयान सामने नहीं आया है। विधिक विशेषज्ञों का कहना है कि आय से अधिक संपत्ति के मामलों में अभियोजन पक्ष को यह साबित करना होता है कि आरोपी की संपत्ति उसकी वैध आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक है। वहीं, आरोपी को अपनी आय के स्रोतों का संतोषजनक स्पष्टीकरण देने का अवसर मिलता है।

एक नजर में...

- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज हुआ केस
- चल-अचल संपत्तियों और बैंक खातों की विस्तृत जांच
- पूर्व तैनाती वाले जिलों में भी जांच का दायरा संभव
- दस्तावेजी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया जारी
- आरोप सिद्ध होने पर आरोपपत्र दाखिल कर न्यायिक कार्रवाई

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के स्थापना दिवस पर OPS की मांग

पुरानी पेंशन बहाली और कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग तेज

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। राजकीय पॉलीटेक्निक सभागार में आयोजित राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह में कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनरों ने एकजुट होकर अपनी लंबित मांगों को जोरदार तरीके से उठाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश संगठन मंत्री व जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने की।समारोह में पुरानी पेंशन बहाली, केंद्र सरकार के समान कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने, आठवें वेतन आयोग के गठन से पूर्व महंगाई भत्ते (डीए) को मूल वेतन में मर्ज करने, नई भर्तियां शुरू करने, मोटर साइकिल भत्ता, पदोन्नति और पदोन्नत वेतनमान देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। कर्मचारियों ने इन मांगों को पूरा कराने के लिए पूर्ण निष्ठा और संघर्ष का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि डॉ. एस.सी. गुप्ता और विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन परिषद मंत्री इंजीनियर कोमल सिंह ने किया।

ई-ऑफिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग

परिषद ने ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए सभी विभागीय कार्यालयों में सशक्त इंटरनेट सर्वर, पर्याप्त कंप्यूटर, अबाध विद्युत आपूर्ति और कर्मचारियों को सुगम प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की मांग जिलाधिकारी से की। परिषद का कहना है कि आधारभूत सुविधाओं के अभाव में कर्मचारियों का वेतन रोकना अनुचित है।

मानव संपदा पोर्टल पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों और बीमार कार्मिकों की चल-अचल संपत्ति अपलोड न हो पाने तथा सर्वर समस्याओं के कारण वेतन रोकने का परिषद ने विरोध किया। सरकार से मांग की गई कि पोर्टल को कम से कम 1 सप्ताह के लिए पुन : खोला जाए ताकि

कर्मचारी आवश्यक विवरण अपलोड कर सकें।

नई संबद्धता और पदाधिकारियों की नियुक्ति

उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग श्रमिक संघ ने परिषद से अपनी संबद्धता की घोषणा की। श्रमिक संघ के अध्यक्ष गिरीश कुमार, मंत्री संतावन सिंह और आईटीआई के अजय कुमार दिवाकर को परिषद का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

समारोह में नगर निगम कर्मचारी नेता विनोद कुमार, मुनेश कुमार शुक्ला और अजीत अवस्थी ने कर्मचारी हितों के आंदोलन में परिषद के साथ सक्रिय भागीदारी की घोषणा की। शिक्षक संघ के संयोजक अनुग्रह त्रिपाठी और सीनियर्स शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा ने भी परिषद को मजबूत करने का आश्वासन दिया। पेंशनर्स कल्याण समन्वय समिति के मंडल अध्यक्ष इंजीनियर ए.एन. द्विवेदी ने कोषागार संबंधी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।कार्यक्रम में हरीश श्रीवास्तव, धर्मेंद्र अवस्थी, अरशद हलीम, अरविंद कुशवाहा, कुलदीप सिंह, अमित पांडेय, सुरेंद्र सिंह गौर, अब्दुल लईक, अनुज शुक्ला, राम बहादुर पांडेय, प्रशांत शुक्ला, अजीत निगम, पारस नाथ, आनंद बाजपेयी, राहुल कुमार और अनूज चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने कहा कि कर्मचारियों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मांगें पूरी न होने पर व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

रमजान के दूसरे जुमे पर उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

» अमन-चैन की दुआओं से गूंजा रसूलाबाद

» जामा मस्जिदों में अदा हुई शांतिपूर्ण नमाज़, ज़कात और फितरे पर दिया गया खास संदेश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। मुकद्दस माह-ए-रमज़ान के दूसरे जुमे पर रसूलाबाद कस्बा इबादत और अकीदत के रंग में डूबा नजर आया। जामा मस्जिदों में नमाज़ अदा करने के लिए सुबह से ही लोगों की आवाजाही शुरू हो गई थी। नमाज़ के वक्त मस्जिदें नमाज़ियों से खचाखच भर गईं और आसपास की सड़कों तक भी भीड़ दिखाई दी।तहसील के निकट स्थित प्राचीन जामा मस्जिद में पेश इमाम हाजी अब्दुल रऊफ खान बक़ाई ने जुमे की नमाज़ अदा कराई। नमाज़ से पूर्व उन्होंने कहा कि जिस तरह नमाज़ और रोज़ा फर्ज हैं, उसी तरह साहिबे-निसाब पर ज़कात अदा करना भी फर्ज है। उन्होंने स्पष्ट किया कि माल कमाना गुनाह नहीं है, लेकिन उस माल में से गरीबों और जरूरतमंदों का हक अदा न करना गुनाह है। उन्होंने कहा कि फितरा हर मुसलमान पर

वाजिब है और इसे समय रहते अदा करना चाहिए ताकि जरूरतमंद भी ईद की खुशियों में शामिल हो सकें। ज़कात इस्लाम के बुनियादी स्तंभों में से एक है और यह समाज में बराबरी, मोहब्बत और भाईचारे को मजबूत करती है। पेश इमाम ने कहा कि रमज़ान शरीफ बरकतों और रहमतों का महीना है। रोज़ा हमें सब्र और परहेज़गारी सिखाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने पड़ोसियों, गरीबों, मिस्कीनों और लाचारों का खास ख्याल रखें। अगर किसी से कोई तकलीफ भी पहुंचे तो सब्र से काम लें और अपने व्यवहार को पाक-साफ रखें। यही रमज़ान का असली पैगाम है।

गांव-गांव में अदा हुई जुमे की नमाज़

रसूलाबाद क्षेत्र के पहाड़ीपुर, कहिंजरी, औझान, सुजानपुर, असालतगंज, बिरहुन, तिश्ती, उसरी, डभारी, सेन नाय मोहम्मद नगर और शहबाजपुर सहित विभिन्न गांवों की मस्जिदों में भी बड़ी संख्या में नमाज़ियों ने जुमे की नमाज़ अदा की। हर ओर अमन-ओ-अमान, मुल्क की तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए दुआएं मांगी गईं। जुमे की नमाज़ को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा और संवेदनशील स्थानों पर लगातार गश्त की गई।

दुपट्टे के सहारे पंखे से झूला होटलकर्मी

गेट तोड़कर घुसे संचालक तो मिला शव

कानपुर। चकेरी के पीएसी मोड़ पर एक होटलकर्मी ने शनिवार सुबह होटल के अंदर दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। संचालक ने जब दरवाजा तोड़ा तब घटना का पता चला। फिलहाल सुसाइड की वजह स्पष्ट नहीं है। कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र के पीएसी मोड़ स्थित एक होटल में शनिवार सुबह एक कर्मचारी का शव पंखे से लटकता मिला। युवक ने दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह जब होटल संचालक दुकान खोलने पहुंचे, तो काफी देर तक अंदर से कोई आवाज नहीं आई। अनहोनी की आशंका होने पर जब काफी मशक्कत के बाद होटल का दरवाजा तोड़ा गया, तो अंदर का नजारा देखकर सभी के होश उड़ गए।

बिरहाना रोड, पटकापुर रामनारायण बाजार सहित इलाकों में इमारतों का संजाल

संकरी गलियों में तन रहीं 'मौत की मीनारे'!

सरगना पूर्व सपा पार्षद मन्नू रहमान, बिल्डर प्यारे का नाम उछला

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

प्रमुख संवाददाता

कानपुर। कानपुर विकास उपाध्यक्ष की सख्ती के बावजूद सकरी गलियों में अवैध निर्माण दनादन किया जा रहे हैं, जिससे इलाके में खतरा बना हुआ है. जोन 1 के पटकापुर चौकी (थाना फीलखाना) से चंद कदमों की दूरी पर मकान नंबर 19/119 में बहुत मामूली क्षेत्रफल के प्लॉट पर खड़ी की जा रही बहुमंजिला इमारत ने पूरे क्षेत्र की सांसें रोक दी हैं। केडीए ने हाल ही में इसी बिल्डर की 22 गज की एक जानलेवा बिल्डिंग को सील किया था, लेकिन सख्ती के बाद भी अवैध निर्माणकर्ताओं के हौसले पस्त नहीं हुए। उल्टा, कार्रवाई के डर से 19/119 वाली इमारत को दिन-रात युद्ध स्तर पर फिनिश किया जा रहा है ताकि किसी तरह लोगों को बसाकर सीलिंग से बचा लिया जाए।

क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि इस अवैध निर्माण के पीछे सपा का पूर्व पार्षद और हिस्ट्रीशीटर मन्नू रहमान सरगना है। उसका करीबी बिल्डर प्यारे पूरी प्लानिंग और पैसा लगा रहा है, जबकि सामने के चेहरे के तौर पर मोहित तिवारी को आगे किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हिंदू बाहुल्य इलाके में विरोध की आशंका को देखते हुए मोहित तिवारी को मुखौटा बनाकर खेल खेला जा रहा है।

गज़ब! 22 गज जगह में बहुमंजिला इमारत, नीचे दुकानें ऊपर फ्लैट्स

» पैसे के लालच में बिल्डर कर रहे हैं इंसानी जिंदगी से खिलवाड़

» संकरी गलियों में खड़ी हो रही मौत की इमारतें, केडीए की लापरवाही पर सवाल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» पटकापुर चौकी के पास महज़ 22 गज जगह में खड़ी हो गई बहुमंजिला इमारत

कानपुर। शहर का संवेदनशील इलाका पटकापुर, जहां पर हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों की मिलीजुली आबादी है, वहां बिल्डर नेटवर्क की दबंगई आम आदमी की जिंदगी पर भारी पड़ रही है। पटकापुर चौकी के पास शनि देव मंदिर के सामने महज़ 22 गज की जगह पर नीचे दुकानें, ऊपर फ्लैट्स वाली की बहुमंजिला इमारत आसपास के लोगों के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं है, हादसे की आशंका सबको सता रही है। इतनी कम जगह में फ्लैट्स कैसे बने, इसका जुगाड़ भी बिल्डर ने कर लिया है। जितनी जगह है उससे कई फुट लंबा छज्जा निकाल दिया है और उस पर वन बीएचके तैयार हो गया। यह निर्माण तो महज एक बानगी है ऐसी दर्जनों बहुमंजिला इमारतें बनकर तैयार हो गई है या फिर बन रही है।

शहर में अवैध और खतरनाक निर्माण अब सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सीधे इंसानी जिंदगी पर हमला बनता जा रहा है। पटकापुर इलाके से सामने आए मामले ने कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की कार्यप्रणाली, निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महज 20, 30, 40, 50, 60, 80 गज जैसे बेहद छोटे भूखंडों पर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर फ्लैट बेचे जा रहे हैं, जिनमें गरीब और मध्यम वर्ग के लोग कम बजट के लालच में रहने को मजबूर हैं।

पूर्व पार्षद के गठजोड़ से अवैध निर्माण का बड़ा काकस

स्थानीय चर्चा में यह भी सामने आ रहा है कि निर्माण कार्य सपा के पूर्व पार्षद मन्नू रहमान का खास गुर्गा प्यारे सीधे अपने नाम से न करकर एक अन्य व्यक्ति को आगे कर काम करवा रहा है, ताकि हिंदू बाहुल्य इलाकों में विरोध और जांच से बचा जा सके। आरोप है कि इस तरीके से खासतौर पर घनी बस्तियों और संवेदनशील इलाकों में निर्माण को आगे बढ़ाया जा रहा है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि बिल्डर नेटवर्क की दबंगई के कारण आम आदमी की आवाज दबा दी जाती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने छोटे प्लॉट पर इतनी ऊंची इमारतें किस नक्शे, किस अनुमति और किसकी मिलीभगत से खड़ी हो रही हैं? क्या केडीए किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह लापरवाही किसी दिन जानलेवा साबित हो सकती है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि पूरे क्षेत्र में बने सभी बहुमंजिला निर्माणों की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों और बिल्डरों पर सख्त कार्रवाई हो और अवैध निर्माणों को तत्काल सील या ध्वस्त किया जाए, ताकि शहर को किसी बड़े हादसे से बचाया जा सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ये इमारतें न तो निर्माण मानकों पर खरी उतरती है और न ही सुरक्षा, फायर सेफ्टी, सेटबैक और भार वहन क्षमता जैसे जरूरी मानकों का पालन करती हैं। इसके बावजूद निर्माण खुलेआम जारी है। आरोप है कि केडीए के जिम्मेदार अधिकारी, इंजीनियर और सुपरवाइजर आंख मूंदे हुए हैं और पैसे के दम पर इन मौत की इमारतों को खड़ा होने दिया जा रहा है।

इलाके में करीब आधा दर्जन से ज्यादा ऐसी इमारतें बताई जा रही है, जिनमें कहीं काम चल रहा है तो कहीं हाल ही में निर्माण पूरा हुआ है। घनी आबादी, संकरी गलियां और आपात स्थिति में निकासी के रास्तों का अभाव स्थानीय लोगों के लिए स्थायी डर बन चुका है। बावजूद इसके, दहशत और दबाव के चलते लोग खुलकर शिकायत करने से बचते हैं।

"अवैध निर्माण की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी, इस संबंध में प्रवर्तन से रिपोर्ट मांगी गई है।
— अभय पांडेय, सचिव कानपुर विकास प्राधिकरण"

कार्रवाई के बाद भी रफ्तार तेज

अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद केडीए जोन-एक ए के प्रभारी सीबी पाण्डेय ने हाल में 22 गज की इमारत सील कराई थी। उसके बाद से 19/119 पर काम और तेज कर दिया गया है। लोगों की मांग है कि निर्माणाधीन इमारत को तत्काल सील कर सुरक्षा ऑडिट कराया जाए, वरना ये 'मौत की मीनारें' कभी भी बड़ा हादसा करा सकती हैं। क्षेत्रवासियों का साफ कहना है। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो इसकी पूरी जिम्मेदारी केडीए प्रशासन की होगी।

नाली के पार तक निकला छज्जा, धूप-हवा तक बंद

संकरी गली में बनी इस इमारत का छज्जा सड़क की नाली के पार कई फुट आगे तक निकाल दिया गया है। आसपास के मकानों में रहने वालों को न धूप मिल रही है, न ताजी हवा। राहगीरों को भी सिर झुकाकर निकलना पड़ रहा है। नीचे दुकान और ऊपर सामने की ओर पांच खंड बनाए गए हैं। छत पर पीछे की तरफ से छठे तल की शुरुआत भी हो चुकी है।

100 गज से कम में खड़ी कर दीं बहुमंजिला इमारतें

पटकापुर क्षेत्र में 22, 30, 40, 50 और 80 गज जैसे छोटे-छोटे प्लॉटों पर आधा दर्जन से अधिक बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी गई हैं। कई में दर्जनों फ्लैट बिक चुके हैं और लोग रहने भी लगे हैं। निर्माणाधीन इमारतों को समय रहते सील न किया गया तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

केडीए कर्मचारियों की मिलीभगत का आरोप

स्थानीय लोगों ने केडीए के सुपरवाइजर और अन्य पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बिना सांठगांठ के इतने छोटे क्षेत्रफल में इतने ऊंचे निर्माण संभव नहीं। अगर इन इमारतों का सेफ्टी ऑडिट हो जाए तो हकीकत सामने आ जाएगी कि ये कितनी खतरनाक हैं।

तपेश्वरी देवी मंदिर के पास भी निर्माण

तपेश्वरी देवी मंदिर के पास गली में भी इसी तरह की एक और बहुमंजिला इमारत निर्माणाधीन है। क्षेत्र में कराए जबरदस्त नाराजगी है। लोगों का कहना है कि बिल्डर एग्रीमेंट के नाम पर छोटे प्लॉट मालिकों से समझौता कर गुणवत्ताहीन फ्लैट बनाकर करोड़ों कमाए जा रहे हैं, भविष्य में हादसा हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा?

कानपुर देहात में पट्टे से अधिक अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई

डीएम के निर्देश पर चल रहे अभियान में 43 लाख से अधिक के राजस्व का नुकसान सामने आया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अवैध खनन के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत तहसील भोगनीपुर क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर भारी अनियमितताएं पकड़ी गईं। खान अधिकारी के अनुसार तहसील भोगनीपुर के ग्राम दौलतपुर कछार स्थित खनन क्षेत्र दौलतपुर कछार खण्ड संख्या-01 में उपजिलाधिकारी भोगनीपुर एवं खान अधिकारी की संयुक्त टीम ने पुलिस बल के साथ छापेमारी की। जांच के दौरान स्वीकृत पट्टा क्षेत्र से बाहर 7972.30 घनमीटर साधारण बालू का अवैध खनन एवं परिवहन पाया गया। यह स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है।

निरीक्षण में खनन स्थल पर कई स्थानों पर पानी भराव की स्थिति पाई गई, जो पर्यावरणीय मानकों के विपरीत है। इससे यह संकेत मिलता है कि खनन कार्य निर्धारित शर्तों के अनुरूप नहीं किया गया। जांच में पट्टाधारक इंदर सिंह द्वारा की गई अनियमितताओं के कारण लगभग ?43,26,704/- की राजस्व क्षति परिलक्षित हुई है। प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।बता दें कि जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद

में किसी भी प्रकार का अवैध खनन या अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनपद स्तर पर गठित टास्क फोर्स लगातार निगरानी रखते हुए नियमित जांच और प्रवर्तन की कार्रवाई कर रही है, ताकि राजस्व हानि रोकी जा सके और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जा सके। प्रशासन ने दोहराया है कि भविष्य में भी अवैध खनन के विरुद्ध इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी

टैंकर की टक्कर से श्रमिक गंभीर रूप से घायल हालत नाजुक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में सड़कों पर बेलगाम रफ्तार एक बार फिर भारी पड़ी। तेज गति से आ रहे डीजल टैंकर की जोरदार टक्कर से बाइक सवार एक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायल को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी रसूलाबाद ले जाया गया, जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए हैलट अस्पताल कर दिया गया।रसूलाबाद क्षेत्र के लक्ष्मनपुर गांव निवासी सरवन उर्फ नन्हे (36) ईंट भट्टा सिमरामऊ से मजदूरी कर गुरुवार शाम बाइक से घर लौट रहा था। कहिंजरी के पास कानपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार डीजल टैंकर ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और सरवन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां मौजूद डॉक्टर शैलेंद्र सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत चिंताजनक बताते हुए हैलट कानपुर रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके से टैंकर को कब्जे में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

होली से पहले पुलिस अलर्ट, एसपी ने कसी व्यवस्था की कमान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। माती पुलिस लाइन में होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कानपुर देहात पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय ने शुक्रवार को सुबह पुलिस लाइन में आयोजित परेड की सलामी लेकर जवानों का निरीक्षण किया और कानून-व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लिया

।पुलिस अधीक्षक ने जवानों के अनुशासन, वर्दी, शस्त्र और सजगता की जांच की। इसके बाद आदेश कक्ष में पहुंचकर सभी गार्द रजिस्टरों को चेक किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि होली के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहाकि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए, मिश्रित आबादी वाले इलाकों में लगातार गश्त की जाए तथा सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जाए ताकि अफवाह फैलाने वालों पर तत्काल कार्रवाई हो सके। पुलिस अधीक्षक ने जनता से अपील भी की त्योहार को प्रेम और सद्भाव के साथ मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

घोड़े का शिकार करने वाला तेंदुआ अब भी है आजाद

वन विभाग ने बदली रणनीति, अब पिंजरे की लोकेशन बदली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर रेंज की वन विभाग टीम को तेंदुआ पिछले 25 दिनों से लगातार चकमा दे रहा है। दमनपुर गांव में तेंदुए की तलाश में कॉम्बिंग अभियान चलाया जा रहा है। खेतों, झाड़ियों और ईंट भट्ठों के आसपास वन कर्मी खाक छान रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस सफलता हाथ नहीं लगी है।

भोगनीपुर वन रेंज के दिबैर गांव के रास्ते में 2 फरवरी की शाम तेंदुआ पहली बार दिखाई दिया था। इसके बाद अलग-अलग गांवों में उसकी चहलकदमी की सूचनाएं मिलती रहीं।

जल्लापुर गांव में पगचिह्न मिले और सीसीटीवी कैमरों में भी तेंदुआ आबादी

के बीच घूमता कैद हुआ।

10 फरवरी को खोजा रामपुर गांव में तेंदुए ने एक घोड़े को शिकार बनाया। इसके बाद दमनपुर गांव के किनारे स्थित ईंट भट्ठे में कच्ची ईंटों पर उसके ताजा पगचिह्न पाए गए। वन विभाग ने दमनपुर, गुबार और छोलापुर में तीन पिंजरे लगवाए, लेकिन तेंदुआ पकड़ में नहीं आया। ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की गई, मगर कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिला।

ईंट भट्ठे पर मिले पगचिह्नों के बाद से दमनपुर में तेंदुए की नई गतिविधि सामने नहीं आई है, फिर भी ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। किसान खेतों की ओर जाने से कतरा रहे हैं और शाम ढलते ही गांवों में सन्नाटा छा जाता है। भोगनीपुर रेंजर स्वामी दीन ने बताया कि तेंदुए की संभावित मूवमेंट को देखते हुए अब पिंजरे की लोकेशन बदलकर खोजा रामपुर में लगाया जाएगा। वन विभाग की टीम लगातार निगरानी बनाए हुए है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की गई है।

सम्पादकीय

न्यायिक तंत्र में संवेदना-करुणा को तरजीह

भारतीय समाज में किसी भी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिये न्याय पाने की प्रक्रिया में न्यायिक तंत्र की विसंगतियों से जूझना कष्टप्रद रहा है। समाज में सोच रही है कि पहले ही हिंसा का शिकार हुई स्त्री द्वारा अपनी आपबीती को बार-बार दोहराना पुन- उसी यंत्रणा से गुजरना जैसा होता है। उसकी अभिव्यक्ति की गोपनीयता व पहचान सुरक्षित रखने की भी जरूरत महसूस की जाती रही है। विडंबना यह भी रही है कि अक्सर स्त्री के खिलाफ हुई हिंसा से जुड़े मामले में सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच वाली मानसिकता का वर्चस्व रहता है। निर्विवाद रूप से हर तरफ से हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराध के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिसे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया। यही वजह है कि समय-समय पर शीर्ष अदालत ने न्यायाधीशों के निर्णयों को रूढ़िवादिता के प्रभाव से मुक्त करने के लिये प्रयास किए हैं। इसी आलोक में पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा व स्त्री से जुड़े अन्य अपराधों के परिप्रेक्ष्य में जजों तथा न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिए संवेदनशीलता तथा करुणा विकसित करने की पहल की है। दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। निस्संदेह, इस संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह प्रयास भविष्य में नई लीक बनाएगा, जिसमें न्यायाधीश स्त्री के विरुद्ध यौन हिंसा व अन्य अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ सुनवाई कर सकेंगे। इसके साथ ही संभव हो सकेगा कि उनके फैसलों पर किसी सामाजिक भेदभाव की धारणा व पूर्वाग्रह का असर नजर न आए। निस्संदेह, इस प्रयास से न्याय को अधिक मानवीय व संवेदनशील बनाने में मदद मिल सकेगी। विगत में भी इस दृष्टिकोण की कमी न्यायिक प्रक्रिया में महसूस की जाती रही है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता विकसित करने की जरूरत पर बल दिया गया। हमारे समाज में न्यायाधीशों को पंच-परमेश्वर की संज्ञा दी गई है और उनसे नीर-क्षीर विवेक के साथ संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती रही है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बाद न्यायपालिका के नजरिये में बदलाव के साथ न्यायिक प्रक्रिया में निहित संवेदनशीलता का समावेश हो सकेगा।

वैसे तो विगत में भी इस दिशा में कई रचनात्मक पहल की गई हैं, लेकिन उनके आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसा ही एक प्रयास साल 2023 में एक पुस्तिका के रूप में सामने आया था, जिसमें फैसलों में पुरुष प्रधान मानसिकता वाली शब्दावली से परहेज करने का सुझाव दिया गया था। इसके साथ ही विगत में न्याय प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिये लैंगिक संवेदनशीलता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने की जरूरत पर बल दिया जाता रहा है।

एक अन्य विकल्प के रूप में न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की जरूरत भी बतायी जाती रही है।

संसद में शालीन-जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत

निरंजन भारती

जनतंत्र संवाद के माध्यम से चलता है। देश के मतदाता ने सरकार को ही नहीं चुना, विपक्ष को भी चुना है। इसलिए दोनों को अपनी बात कहने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। आज विडंबना यह भी है कि विपक्ष जनतंत्र संवाद के माध्यम से चलता है। देश के मतदाता ने सरकार को ही नहीं चुना, विपक्ष को भी चुना है। इसलिए दोनों को अपनी बात कहने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। आज विडंबना यह भी है कि विपक्ष न बोलने देने की शिकायत कर रहा है।लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा गया है। संभवत- मार्च के दूसरे सप्ताह में सदन में इस पर बहस होगी और लोकसभा में सरकारी पक्ष और विपक्ष के गणित को देखते हुए यह लगभग तय है कि प्रस्ताव अस्वीकृत ही होगा, पर सदन में इस तरह का प्रस्ताव आना ही अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। स्पीकर ओम बिरला पर विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण आचरण और नेता प्रतिपक्ष को न बोलने देने का आरोप लगाया है।

यह पहली बार नहीं है कि हमारी लोकसभा में अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगा है। अब तक तीन बार इस आशय के प्रस्ताव सदन में रखे गये हैं। वस्तुत: पहली लोकसभा में ही सन? 1954 में तत्कालीन अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के खिलाफ ऐसा प्रस्ताव आया था। फिर 1966 और 1987 में ऐसा प्रस्ताव रखा गया। तीनों ही बार यह प्रस्ताव संख्याबल के आधार पर खारिज हो गया था। पर यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि लोकसभा के सदस्यों ने अपने विवेक के आधार पर ऐसा प्रस्ताव रखना ज़रूरी समझा था।जब पहली बार लोकसभा के अध्यक्ष के खिलाफ इस आशय का प्रस्ताव आया तो 479 सदस्यों वाले सदन में सत्तारूढ़ कांग्रेस के 364 सदस्य थे। प्रस्ताव का अस्वीकृत होना स्पष्ट था। जब इस पर बहस हुई तो उपाध्यक्ष ने दो घंटे का समय निर्धारित किया था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उपाध्यक्ष से आग्रह किया था कि सत्तारूढ़ पक्ष को कम बोलना स्वीकार होगा, आप विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए अधिकाधिक समय दें! देश के प्रथम प्रधानमंत्री का यह कथन हमारी जनतांत्रिक परंपरा का एक ज्वलंत उदाहरण है। इस परिप्रेक्ष्य में यदि हम आज की स्थिति को देखते हैं, तो कुछ हैरानी होना स्वाभाविक है और कुछ पीड़ा का अनुभव करना भी। आज विपक्ष का आरोप है कि उसे सदन में बोलने नहीं दिया जाता।जनतंत्र संवाद के माध्यम से चलता है। देश के मतदाता ने सरकार को ही नहीं चुना, विपक्ष को भी चुना है। इसलिए दोनों को अपनी बात कहने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। आज विडंबना यह भी है कि विपक्ष न बोलने देने की शिकायत कर रहा है।बहरहाल, सदन में एक अराजकता-सी स्थिति पैदा हो गयी है। यह स्थिति बदलनी ही चाहिए और इसका एकमात्र उचित तरीका यह है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे का सम्मान करने की जनतांत्रिक परंपरा का निर्वाह करें। जब सदन में बात करने का अवसर नहीं मिलता तो बात सड़क पर होती है। कई बार यह बात बहुत आगे बढ़ जाती है। दिल्ली में कृत्रिम मेधा के वैश्विक सम्मेलन में स्थिति कुछ ऐसे ही हो गयी थी जब कांग्रेस के दस-बीस कार्यकर्ता अपनी टी-शर्ट उतार कर प्रदर्शन कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन यह रूप न लेता तो अच्छा था, पर ऐसा भी नहीं है कि इस प्रदर्शन से कोई पहाड़ टूट पड़ा है। दुनिया भर में, हमारे देश में भी, अक्सर विपक्ष ऐसे प्रदर्शन करता रहा है। वस्तुत- विरोध-प्रदर्शन जनता की व्यवस्था का एक जायज अधिकार है और इस तरह के प्रदर्शनों से कोई देश शर्मसार नहीं होता।

वे और बातें हैं जिनसे कोई देश शर्मिंदा होता है, या उसे शर्मिंदा होना चाहिए। जब देश के अस्सी करोड़ लोग अपना पेट भरने के लिए सरकार के मुफ्त अनाज पर निर्भर करते हैं, तब देश शर्मिंदा होता है। जब देश में युवाओं की बेरोज़गारी के आंकड़ों का ग्राफ बढ़ने लगता है, तब देश को शर्म आनी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और भारत की एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट के अनुसार आज देश के 83 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो एआई का उपयोग

तकनीक के जोखिम

क्षमा शर्मा

बच्चों और किशोरों में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है लेकिन इसके अपने जोखिम भी हैं। हालांकि यह उन्हें ज्ञान-विज्ञान सभी कुछ दे सकता है। ऐसे में नियंत्रित उपयोग बेहतर है। एआई डिजाइनिंग, टूल्स के इस्तेमाल और संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिये।

इस सदी में हमने जिस तकनीकी उत्पाद का अभूतपूर्व विकास देखा वह है मोबाइल फोन। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल फोन उत्पादक ही नहीं बल्कि सबसे ज्यादा लोगों के पास इसके होने का गौरव रखता है। भारत में सस्ते स्मार्टफोन के आगमन और दुनिया की तीसरी सबसे सस्ती इंटरनेट सेवा होने के कारण घर-घर में कई-कई मोबाइल फोन दिखते हैं। लेकिन यहीं पर समस्या है और वह यह है कि नन्हे बच्चे जो कल तक खिलौनों से खेलते थे, आज मोबाइल फोन से चिपके हैं। मां-बाप बच्चों से पीछा छुड़ाने के लिए उन्हें स्मार्टफोन पकड़ा देते हैं।लाखों बच्चे तो ऐसे हैं जो फोन हाथ में लिये बिना खाना नहीं खाते या फिर हंसते-गाते नहीं।

वे वर्चुअल वर्ल्ड से इतना जुड़ गये हैं कि उसके अलावा कुछ सोच नहीं पा रहे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की धमाकेदार एंट्री के बाद हालात और बदल गये। यह एक आधुनिक और तत्काल रिजल्ट देने वाली तकनीक है जिसके पास अपार संभावनाएं हैं। यह काफी कुछ कर सकता है, पलक झपकते ही आपके प्रश्नों का जवाब दे सकता है, लेख लिख सकता है व ड्राइंग भी बना सकता है। यानी यह सब कुछ कर सकता है जो एक बच्चा चाहेगा। और यहीं गंभीर समस्या आ सकती है। उस बच्चे को कैसे यह समझ में आयेगा कि क्या सही है और क्या गलत?इंटरनेट ने बच्चों को उम्र से पहले परिपक्व बनाना शुरू कर दिया है। अब एआई

की बारी है जो उन्हें वहां पहुंचा सकती है जिसके बारे में हमने सोचा तक नहीं। हाल में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान फिक्की-यूनिसेफ की संयुक्त कार्यशाला में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद ने कहा कि भारत में डिजिटल पैठ तेजी से बढ़ रही है और बच्चे एआई संचालित प्लेटफॉर्म्स की ओर खिंचे जा रहे हैं। अब जरूरी है कि एक समग्र और सशक्तीकरण करने योग्य फ्रेमवर्क तैयार किया जाये ताकि बच्चों का समुचित विकास हो। एआई अब सीखने के पैटर्न को एक आकार दे रहा है। हमें देखना होगा कि बच्चे क्या सूचना पाना चाहते हैं और एआई इस्तेमाल करने के बाद उनका व्यवहार कैसा रहता है। इस पर सभी भागीदारों यानी अभिभावकों, स्कूलों, शिक्षकों वगैरह को ध्यान देना होगा। यह भी देखना होगा कि जो बच्चे एआई की मदद से पढ़ाई कर रहे हैं या करेंगे उनका दीर्घकालीन विकास कैसा होता है। बच्चों के विकास पर समय के साथ एआई का क्या प्रभाव पड़ता है उसका अध्ययन करना होगा।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को दोधारी तलवार यूं ही नहीं कहा जा रहा। अगर यह बच्चों के विकास में बहुत बड़ा सहयोगी बनता है तो साथ ही उन्हें नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए जरूरी है कि इसके जोखिमों को समझा जाये और उसकी धार कुंद की जाये। यह किस तरह के अवसर प्रदान करता है उन्हें भी देखना होगा। यह भी कि बच्चों की एआई तक पहुंच कितनी हो। यह भी जान लेना जरूरी है कि एआई पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों के स्वतंत्र रूप से सोचने की ताकत और सरल बुद्धिमत्ता को कमजोर न कर दे।देश में इसके लिए कई तरह की पहल की हैं ताकि एआई पर लगाम लगाई जा सके। इसका थीम यही तो है कि मानव जाति, पृथ्वी और विकास के लिए एआई का लाभ उठाया जा सके। अगली पीढ़ी के पास व्यापक आधार वाली टेक्नोलॉजी हो ताकि विकास की श्रृंखला बन सके।

उन्होंने यह भी कहा कि एआई को भय की दृष्टि से देखने की जरूरत नहीं बल्कि यह सोचकर इसे देखना-परखना चाहिए कि यह बच्चों के भविष्य में बदलाव ला सके। लेकिन यह भी कहा कि शासन द्वारा ऐसा मेकेनिज्म तैयार करना चाहिए जिससे बच्चों के भविष्य में बदलाव हो सके। जिससे उन्हें कई तरह के अवसर मिलते रहें ताकि उनका और विश्व का भविष्य संवरे।

फार्मर रजिस्ट्री पर प्रशासन अब एक्शन मोड में

एसडीएम का औचक निरीक्षण, 10 बजे तक गांव पहुंचना अनिवार्य

एक नजर में...

- सुबह 10 बजे तक ग्राम में अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश
- बीटीएम/एटीएम व पंचायत सहायकों को सक्रिय भूमिका निभाने का आदेश
- सीएससी केंद्र और सेल्फ मोड से तेज पंजीकरण पर जोर
- उचित दर विक्रेता व उर्वरक दुकानों को जागरूकता अभियान से जोड़ा गया
- दैनिक प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी
- लक्ष्यः कोई भी पात्र किसान रजिस्ट्री से वंचित न रहे

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। फार्मर रजिस्ट्री को शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के लिए प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में है। बुधवार को बिल्हौर के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) ने क्षेत्र के कई गांवों में पहुंचकर चल रहे पंजीकरण कैंपों का औचक निरीक्षण किया और जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली इस योजना में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

➪ शत-प्रतिशत पंजीकरण के लिए प्रशासन की दो-टूक

फार्मर रजिस्ट्री कैंप के निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से जानकारी लेते एसडीएम संजीव दीक्षित

एसडीएम ने रौगांव, बिल्हौर देहात समेत विभिन्न ग्रामों में संचालित कैंपों का जायजा लिया। यहां कृषि विभाग के बीटीएम/एटीएम और विकास खंड के पंचायत सहायकों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सभी संबंधित कर्मचारी हर हाल में सुबह 10 बजे तक गांव में उपस्थित रहें और घर-घर संपर्क कर अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र किसान का नाम रजिस्ट्री से छूटना नहीं चाहिए। पंजीकरण कार्य को सीएससी केंद्रों और सेल्फ मोड के माध्यम से तेज गति से पूरा किया जाए। साथ ही तहसील क्षेत्र के सभी उचित दर विक्रेताओं और उर्वरक दुकानदारों को भी निर्देशित किया गया है कि वे अपनी दुकानों पर आने वाले किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के लिए जागरूक करें और उन्हें तत्काल पंजीकरण के लिए प्रेरित करें।

एसडीएम ने लेखपालों और संबंधित कर्मचारियों से दैनिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। उन्होंने दोहराया कि यह सिर्फ एक प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि किसानों के हित से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है, जिसे समयबद्ध ढंग से पूरा करना सभी की जिम्मेदारी है। प्रशासन की इस सख्ती से साफ है कि बिल्हौर तहसील में फार्मर रजिस्ट्री अभियान को अब मिशन मोड में पूरा किया जाएगा।

उत्तरीपुरा में भाजपा मंडल अध्यक्ष का जोरदार स्वागत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के उत्तरीपुरा मंडल में भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष अनुपम सिंह का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। आयोजित समारोह में समर्थकों ने उन्हें दुपट्टा ओढ़ाकर, फूल-मालाओं से लादकर तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष अनुपम सिंह ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा सौंपे गए दायित्व के लिए वह आभारी हैं और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। कार्यक्रम के तहत सेवा मंदिर इंटर कॉलेज में भी स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जहां शिवराजपुर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र प्रताप सिंह का भी सम्मान किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य सतीश चंद्र कठेरिया सहित प्रभात कुमार सरोज, कृष्ण गोपाल मिश्र, बृज भूषण, बलबीर सिंह, राजेश कुमार, रणजीत, अश्वनी पाल और प्रकाश समेत अनेक शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई।

➪ सेवा मंदिर इंटर कॉलेज में भी हुआ सम्मान

मंडल अध्यक्ष अनुपम सिंह का फूल-माला पहनाकर स्वागत करते कार्यकर्ता।

बिल्हौर में ट्राली चोर गिरोह का भंडाफोड़ व्हाट्सएप पर फोटो भेजकर बेचते थे माल

○ दिन में रेकी, रात में वारदात, ट्रैक्टर लगाकर खेतों से ट्रालियां पार
○ तीन शातिर किए गए गिरफ्तार, कई जिलों में फैला था नेटवर्क

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर नगर)। ग्रामीण इलाकों में लगातार हो रही ट्राली चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए बिल्हौर पुलिस ने एक संगठित मोटरसाइकिल-ट्राली चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह बेहद सुनियोजित तरीके से दिन में खेतों की टोह लेता और रात होते ही ट्रैक्टर लगाकर ट्रालियां पार कर देता था। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो ट्रैक्टर, तीन ट्रालियां, एक अपाचे मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, उत्तरीपुरा क्षेत्र में अंडरपास के पास चेकिंग के दौरान तीनों आरोपियों को दबोचा गया। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह लंबे समय से कानपुर नगर, कानपुर देहात, कन्नौज और उन्नाव सहित आसपास के जिलों में सक्रिय था। पुलिस ने अभिषेक उर्फ अंशू (टीकापुरवा), विवेक उर्फ अमन (बैडी अलीपुर) और कन्हैयालाल (पलिया, बांगरमऊ उन्नाव) को गिरफ्तार कर थाना बिल्हौर में मुकदमा दर्ज किया है। तीनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। एसीपी मंजय सिंह ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। पूछताछ में कई अन्य वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े खरीददारों और सहयोगियों तक पहुंचने की तैयारी में जुटी है। ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय इस गिरोह की गिरफ्तारी से पुलिस को उम्मीद है कि ट्राली चोरी की घटनाओं पर लगाम लग सकेगी।

चोरी के आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

ऐसे देते थे वारदात को अंजाम

इंस्पेक्टर सुधीर कुमार के अनुसार, गिरोह पहले मोटरसाइकिल चोरी करता था। उसी बाइक से गांव-देहात में घूमकर खेतों में खड़ी ट्रालियों की पहचान की जाती थी। दिन में रेकी के दौरान ट्राली का स्थान, आसपास की गतिविधियां और ग्रामीणों की मौजूदगी पर बारीकी से नजर रखी जाती थी। रात होते ही गिरोह दो टीमों में बंट जाता था। एक टीम पुलिस और ग्रामीणों की हलचल पर नजर रखती थी, जबकि दूसरी टीम स्वराज 735 एक्सटी या आयशर ट्रैक्टर लगाकर ट्राली को खेतों से खींच ले जाती थी। वारदात इतनी तेजी से की जाती थी कि सुबह तक किसी को भनक तक नहीं लगती थी।

पहचान बदलकर व्हाट्सएप पर सौदा

चोरी के बाद ट्रालियों को सुनसान स्थान पर ले जाकर उनका रंग और पहचान बदल दी जाती थी, ताकि असली मालिक पहचान न सके। इसके बाद मोबाइल फोन से ट्राली की फोटो खींचकर व्हाट्सएप के जरिए संभावित ग्राहकों को भेजी जाती थी। सौदा तय होते ही ऊंची कीमत पर ट्राली बेच दी जाती थी। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर डिजिटल साक्ष्य खंगालने शुरू कर दिए हैं।

सरकारी जमीन पर बोई फसल की हुई बोली, प्रशासन ने कराई नीलामी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। तहसील क्षेत्र के जैसरमऊ अटिया गांव में स्थित वैटलैंड और गंगा कटरी की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर उगाई गई गेहूं व सरसों की फसल को गुरुवार को प्रशासन ने नीलाम कर दिया। नीलामी की प्रक्रिया तहसील सभागार में पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई।

नायब तहसीलदार रंजीत यादव के नेतृत्व में राजस्व टीम ने मौके पर खड़ी फसल का आकलन कराया था, जिसके बाद बोली लगवाई गई। इस दौरान लेखपाल भोले और शैलेश श्रीवास्तव समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, संबंधित भूमि वैटलैंड क्षेत्र में आती है, जिसे भविष्य में पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। इसी उद्देश्य से सरकारी जमीन पर हुए अवैध कब्जों को चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई की जा रही है। राजस्व विभाग का कहना है कि सरकारी संपत्ति पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी अभियान जारी रहेगा।

कुलवंती हॉस्पिटल में इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने किया बवाल

पुलिस के पहुंचने से पहले ही अस्पताल के डॉक्टर गायब

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रुखाबाद। इटावा बरेली हाईवे से सटे मसेनी चौराहा स्थित कुलवंती हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई परिवार के लोगों ने महिला की मौत के बाद अस्पताल के अंदर और बाहर बवाल काटते रहे लेकिन परिवार के लोगों की सुनने के लिए कोई भी डॉक्टर कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था घटना के बाद सभी फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस फोर्स ने पहुंचकर मामले को शांत कराया लेकिन परिवार के लोगों का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा था। यही नहीं परिवार के लोग बॉडी को लेकर सड़क पर रख कर जाम लगाने के लिए अंदर से उसके शव को लाने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने नहीं निकलने दिया। परिवार के लोग अस्पताल के बाहर ही धरने पर बैठकर प्रदर्शन करते रहे।

भाई सौरभ कश्यप ने बताया कि जनपद औरैया के ऊसराहार के पास गांव में बहन की ससुराल है। वहां से यहां पर आई थी गुरुवार की रात अचानक उसकी हालत बिगड़ गई तो उसे भर्ती कराया गया था। आरोप है कि तीन-चार दिन पहले बहन के बच्चा हुआ था। अचानक तबीयत बिगड़ गई तो उसे मसैनी चौराहा स्थित कुलवंती हॉस्पिटल जहां बच्चे का जन्म हुआ था वहां लेकर रात में गए तो उस समय सब सो रहे थे। मुश्किल से उठाया उसके बाद बहन का इलाज किया, पता नहीं कौन सा इंजेक्शन दिया जिससे बहन की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

जानकारी देता मृतका का भाई सौरभ कश्यप

रंग भरी एकादशी पर अयोध्या में बही भक्तिमय रंगों की बयार

हनुमानगढ़ी से निकली विशाल निशान यात्रा, संतों के नेतृत्व में हुई पंचकोसी परिक्रमा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रंग भरी एकादशी के पावन अवसर पर धर्मनगरी अयोध्या में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर हनुमानगढ़ी से भगवान श्री हनुमान जी की भव्य आरती के बाद निशान (प्रतीक चिह्न) के साथ विशाल धार्मिक यात्रा निकाली गई।यह यात्रा संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास महाराज के नेतृत्व में आयोजित की गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महात्मा और भक्तजन शामिल हुए। निशान यात्रा अयोध्या के विभिन्न मठों और मंदिरों में रुक-रुककर हनुमान जी की आरती एवं पूजा करते हुए आगे बढ़ी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग से होती हुई संपन्न हुई। इस दौरान पूरा वातावरण 卐जय बजरंगबली卐 के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम में हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी दिगपाल दास जी महाराज, रमेश दास जी महाराज, स्वामी देवेशाचार्य जी महाराज सहित अनेक प्रमुख संत और पुजारी उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ यात्रा में भाग

लिया। आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस भव्य आयोजन ने एक बार फिर अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊंचाई प्रदान की।

जिला बार एसोसिएशन, कानपुर देहात में चुनाव प्रक्रिया हुई तेज

निर्वाचन समिति को सौंपी गई जिम्मेदारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला बार एसोसिएशन, कानपुर देहात की चुनाव प्रक्रिया ने औपचारिक रूप से गति पकड़ ली है। अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव एवं महामंत्री घनश्याम सिंह राठौर ने संस्था की ओर से निर्वाचन संबंधी समस्त कार्यभार औपचारिक रूप से निर्वाचन समिति के अध्यक्ष सम्पत लाल यादव को सौंप दिया।

अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने बताया कि एक बार, एक मत सिद्धांत के आधार पर पात्र सदस्यों की अंतिम मतदाता सूची तैयार की गई है। यह सूची अध्यक्ष एवं महामंत्री की देखरेख में तैयार कर विधिवत रूप से निर्वाचन समिति को सुपुर्द की गई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया उच्चतम न्यायालय, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ तथा उत्तर प्रदेश विधिज्ञ परिषद के निर्देशों और आदेशों के अनुपालन में संपन्न की गई है।

महामंत्री घनश्याम सिंह राठौर ने कहा कि यह कदम बार की लोकतांत्रिक परंपराओं को और अधिक

सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्वाचन समिति से उपविधियों के अनुरूप शीघ्र चुनाव कार्यक्रम घोषित करने का अनुरोध किया।

निर्वाचन समिति अध्यक्ष सम्पत लाल यादव ने समिति के सदस्यों रमेश चंद्र सिंह गौर एवं रवि शंकर वर्मा के साथ संयुक्त रूप से कहा कि चुनाव तिथियाँ जल्द घोषित की जाएंगी और निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किए जाएंगे।बार एसोसिएशन ने सभी अधिवक्ताओं से संगठन की एकता, अनुशासन और प्रतिष्ठा बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण सहयोग की अपील की है।

इस अवसर पर राजेन्द्र गुप्ता 'बापू', राजेन्द्र कुमार द्विवेदी, रोहित शुक्ला, शिव गिरजा शंकर पाल, योगेंद्र सिंह, शमशाद खान, सुलेखा, सर्वेन्द्र सिंह, विश्वनाथ सिंह, रामकुमार कमलवंशी, जितेंद्र बाबू, जय सिंह, संजय यादव, रवींद्र सिंह, राहुल कुमार तथा महेंद्र सिंह सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।यह पहल जिला बार एसोसिएशन, कानपुर देहात में पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

कानपुर देहात में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का सैलाब सड़क पर

» 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टेट लागू करने के फैसले के खिलाफ बीएसए कार्यालय से डीएम कार्यालय तक मार्च, प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता लागू किए जाने के आदेश के विरोध में गुरुवार को जनपद में अभूतपूर्व शिक्षक आंदोलन देखने को मिला। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) के बैनर तले विभिन्न मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों ने बीएसए कार्यालय परिसर में विशाल धरना-प्रदर्शन किया और बाद में जिलाधिकारी कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला।

सुबह से ही विभिन्न ब्लॉकों से हजारों शिक्षक बीएसए कार्यालय पहुंचने लगे। नारेबाजी, बैनर और तख्तियों के बीच परिसर शिक्षक एकता के जोश से गूंज उठा। धरना के बाद शिक्षकों का अनुशासित जुलूस जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा, जहां प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को सौंपा गया।

उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ कानपुर देहात के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह राजावत ने कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर नई शर्तें थोपना अन्यायपूर्ण है। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष ब्रजेश यादव ने चेतावनी दी कि मांगें न मानी गईं तो आंदोलन और व्यापक होगा। जिला मीडिया प्रभारी पुष्पेन्द्र कुमार ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की।

आंदोलन में संजय सचान (संरक्षक), प्रमोद पाण्डेय (मंडलीय महामंत्री), संजय वर्मा व धीरेन्द्र सिंह चौहान (मंडल उपाध्यक्ष), हंसराज सोनकर, सुरेन्द्रपाल सिंह (मंडल मंत्री), रामकुमार कटियार, आदित्य गौतम (महामंत्री), राहत अली, अजय कटियार (कोषाध्यक्ष), कामता सिंह, गोविंद यादव (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), जितेंद्र पाल, जयपाल सिंह, अनिल प्रजापति, निरुपम कुमार तिवारी, अरविंद सिंह बौद्ध, देवेन्द्र कर्णधार, अतुल कुमार पाल, पवन सिंह प्रजापति, रंजीत कुमार, नरेश सिंह, अनिल सोनकर, शैलेन्द्र कुमार, विष्णु पाल, दिनेश शर्मा, विजय राठौर, राकेश गौतम, आनंद मिश्रा, हेमन्त कुमार, प्रताप भानु सिंह गौर, पियूष मिश्रा, अजित सिंह, अंजनी कटियार, सुरेंद्र कटियार, जाहिर अंसारी, विकास सिंघल, कृष्णपाल सिंह, रामनरेश कठेरिया, मोहम्मद जावेद, ब्रजमोहन सिंह, पुनीत मिश्रा, धर्मेन्द्र सिंह, चंद्रवीर पाल, सर्वेश कटियार, अभिषेक द्विवेदी, रामेंद्र सिंह व नीलम दोहरे सहित मंडल, जनपद व विकासखंड स्तर के अनेक पदाधिकारी और हजारों शिक्षक मौजूद रहे।

परिजनों से जानकारी करती पुलिस

खेत में पानी लगाते समय करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

जुनेदपुर गांव में हुआ हादसा, ग्राम प्रधान ने मुआवजा देने की मांग की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के जुनेदपुर गांव में 19 वर्षीय युवक की खेत में पानी लगाते समय जर्जर विद्धुत लाइन बहुत नीचे से निकले होने की वजह से करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जुनेदपुर गांव निवासी अंकित पुत्र कुंवर लाल (19) खेत में पानी लगाने गया था। वहां जर्जर विद्युत लाइन बहुत नीचे से निकले होने की वजह से करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन आनन-फानन में उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। देवीपुर चौकी इंचार्ज अतेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। चौकी इंचार्ज के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला करंट लगने से मौत का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं ग्राम प्रधान मावर राकेश कुमार ने युवक की मौत पर प्रशासन से मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने विद्युत कर्मचारियों की लापरवाही का आरोप भी लगाया है।

पुलिस लाइन में गूंजा फाग, एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने दिलों में घोली होली

वामा सारथी के तत्वावधान में ईको-फ्रेंडली रंगों संग सादगी और संस्कृति का संदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। होली के उल्लास के बीच माती स्थित पुलिस लाइन में इस बार रंगों के साथ भावनाओं की भी वर्षा हुई।

वामा सारथी के तत्वावधान में आयोजित पारंपरिक फाग गायन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे परिसर को ब्रज की होली जैसा रंगमय बना दिया। इस विशेष अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने पुलिस परिवार की महिलाओं और बच्चों के साथ मिलकर होली का उत्सव मनाया और खाकी के संवेदनशील, सरल और मानवीय स्वरूप को सामने रखा।कार्यक्रम की खास बात रही ईको-फ्रेंडली रंगों का उपयोग। आयोजन के जरिए पर्यावरण संरक्षण का स्पष्ट संदेश दिया गया। पारंपरिक फाग गीतों की मधुर स्वर लहरियों ने वातावरण को भक्तिरस और उल्लास से भर दिया। महिलाओं ने लोकगीतों की प्रस्तुति दी तो बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सबका

मन मोह लिया।एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने न केवल कार्यक्रम में सहभागिता की, बल्कि पुलिस परिवार के सदस्यों से आत्मीय संवाद भी किया।

उन्होंने कहा कि पुलिस परिवार की खुशहाली और आपसी सौहार्द ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। यह आयोजन जिले में चर्चा का विषय बन गया है। आमजन के बीच यह सकारात्मक संदेश गया कि प्रशासन केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी सहेजने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।कई सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम पुलिस और जनता के बीच विश्वास की डोर को और मजबूत करते हैं। होली के इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि जब खाकी में संवेदनशीलता और अपनापन झलकता है, तो समाज में भरोसे के रंग और भी गहरे हो जाते हैं।

बाइक फिसलने से युवक की मौत

» बाइक की तेज रफ्तार बनी मौत का कारण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना मूसानगर क्षेत्र के मूसानगर कस्बे में गुरुवार देर शाम हुआ एक भीषण सड़क हादसा पूरे इलाके को गमगीन कर गया। तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां पल भर में छीन लीं। अनियंत्रित होकर फिसली बाइक ने 28 वर्षीय युवक की जिंदगी निगल ली। युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गांव और कस्बे में मातम पसरा है।

मृतक मूसानगर थाना क्षेत्र के सिंगरसीपुर गांव निवासी प्रदीप था। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात करीब आठ बजे वह मूसानगर कस्बे की ओर गए थे। डिग्री कॉलेज के पास उनकी तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गई। तेज झटके के साथ वह सड़क पर गिर पड़े और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक की रफ्तार काफी अधिक थी। फिसलने के बाद युवक कई फीट तक सड़क पर घिसटता चला गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस व परिजनों को खबर पहुंचाई। सूचना मिलते ही एसआई बंधुलाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी रीना गौतम ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसा तेज रफ्तार के कारण प्रतीत हो रहा है। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। जैसे ही यह खबर सिंगरसीपुर गांव पहुंची, घर में चीख-पुकार मच गई। मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है।

होली आई रे... सज गया रंगों व पिचकारियों का बाजार

होली को लेकर बाजारों में पकवान के सामान सहित रंगों की बिक्री तेज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। होली का पर्व नजदीक आते ही रसूलाबाद कस्बे और आसपास के ग्रामीण इलाकों के बाजारों में रौनक लौट आई है। सुबह से ही मुख्य बाजार, सब्जी मंडी और किराना दुकानों पर लोगों की भीड़ दिखाई देने लगी है। रंग-बिरंगे गुलाल, पिचकारियां, अबीर और सजावटी सामान से दुकानें सज गई हैं।होली को हिंदू धर्म में विशेष आस्था और उल्लास का पर्व माना जाता है। पर्व से पहले घरों में साफ-सफाई, रंग-रोगन और पकवानों की तैयारियां जोरों पर हैं। महिलाएं गुजिया, नमकीन, मठरी और अन्य पारंपरिक व्यंजन बनाने के लिए मैदा, खोया, ड्राई फ्रूट्स और मसालों की खरीदारी कर रही हैं। किराना व्यापारियों के अनुसार पिछले कुछ दिनों में बिक्री में खासा इजाफा हुआ है।

गांवों में सजेगी होलिका, गूंजेगा फाग

रसूलाबाद क्षेत्र के गांव-गांव में होलिका दहन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जगह-जगह लकड़ियां एकत्र की

जा रही हैं। बुजुर्गों के साथ अब युवा और बच्चे भी फाग गायन की परंपरा में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। ढोलक और मंजीरे की थाप पर पारंपरिक फाग गूंजने लगी है, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सवी माहौल बन गया है।

रंगों की दुकानों पर बढ़ी भीड़

बाजार में छोटे-बड़े सभी दुकानदारों ने रंगों और पिचकारियों का नया स्टॉक मंगाया है। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाली पिचकारियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। वहीं कई लोग ईको-फ्रेंडली गुलाल को प्राथमिकता दे रहे हैं।

प्रशासन भी अलर्ट-होली पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारी भी सतर्क हैं। बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। अराजक तत्वों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि त्योहार हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जा सके। कुल मिलाकर, होली के आगमन के साथ ही रसूलाबाद के बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है और पूरे क्षेत्र में रंगों का उत्साह साफ दिखाई दे रहा है।

रील नहीं, रियल बनो... फर्रुखाबाद में युवाओं को 'फिटनेस मंत्र' दे गए द ग्रेट खली

शरीर बनाओ, चरित्र बनाओ, शराब और मोबाइल की लत से दूर रहो

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। गंगा दरवाजा स्थित एसआरएस ग्लोबल स्कूल में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता उस समय प्रेरणा के पर्व में बदल गई, जब विश्व प्रसिद्ध डब्ल्यूडब्ल्यूई पहलवान द ग्रेट खली (दिलीप सिंह राणा) मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। विशाल कद-काठी और सरल व्यक्तित्व के धनी खली ने युवाओं को एक सशक्त संदेश दिया रील नहीं, रियल बनो। शरीर बनाओ, नशे से दूर रहो और खेलों को जीवन का हिस्सा बनाओ।खली ने कहा कि आज का युवा मोबाइल और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में ज्यादा समय बिता रहा है। रील बनाने और लाइक्स पाने की होड़ में वह अपने स्वास्थ्य और भविष्य दोनों को नजरअंदाज कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि रील से शरीर नहीं बनता, बल्कि दिमाग पर दबाव बढ़ता है। असली ताकत मैदान में पसीना बहाने से आती है।

द ग्रेट खली (दिलीप सिंह राणा) के साथ सचिन यादव

उन्होंने युवाओं को शराब और अन्य नशों से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि नशा शरीर और दिमाग दोनों को कमजोर करता है। यदि जीवन में सफल होना है तो अनुशासन, मेहनत और फिटनेस को अपनाना होगा। खली ने छात्रों को जिम जाने, नियमित व्यायाम करने और खेलकूद में सक्रिय भागीदारी की प्रेरणा दी।कार्यक्रम की शुरुआत मशाल प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर हुई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन सिंह यादव, प्रभारी मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव, प्रधानाचार्य अनिल सिंघवानी, अर्चना पाण्डेय, विवेक यादव, जीतू यादव, जितेंद्र यादव सिरोली, पूर्व प्रधान राजन यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।प्रभारी मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने भी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल को खेल भावना से खेलें और हार-जीत को सकारात्मक रूप से लें। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। खली की उपस्थिति ने छात्रों में जोश भर दिया। बच्चों ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं और उनके प्रेरक शब्दों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि युवा सोशल मीडिया की चमक-दमक से निकलकर खेल और फिटनेस की राह पकड़ें, तो वे न केवल मजबूत शरीर बल्कि उज्ज्वल भविष्य भी बना सकते हैं।

फर्जी ट्रांसपोर्ट कंपनी के नाम पर

65 लाख की साइबर ठगी, 100 से ज्यादा मामलों में वांछित शातिर हुआ गिरफ्तार

» व्हाट्सएप चैट और फर्जी जीएसटी-रसीदों से करता था ठगी

» पुलिस ने 3 मोबाइल बरामदकिए, कई राज्यों में दर्ज हैं शिकायतें

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। थाना अमृतपुर क्षेत्र में साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए पुलिस ने 65 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पकड़ा गया अभियुक्त जागेश्वर पुत्र वेदराम, निवासी ग्राम पुत्तू सिंह का गुडेरा, थाना अमृतपुर, पर देश के विभिन्न राज्यों में 100 से अधिक साइबर अपराध के मामले दर्ज बताए जा रहे हैं।

मामले का खुलासा करते हुए क्षेत्राधिकारी अमृतपुर अभय वर्मा ने बताया कि आरोपी सुनियोजित तरीके से लोगों को ट्रांसपोर्ट सुविधा उपलब्ध कराने का झांसा देकर ठगी करता था। वह अपने मोबाइल फोन के माध्यम से जस्ट डायल पर फर्जी आईडी बनाकर ट्रांसपोर्ट से जुड़ी इंक्वायरी हासिल करता था। इसके बाद वह संबंधित लोगों से व्हाट्सएप कॉल और चैट के जरिए संपर्क कर ट्रांसपोर्ट बुकिंग का प्रस्ताव देता था।

विश्वास जीतने के लिए आरोपी ÷तिरुपति लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड÷ के नाम से फर्जी कंपनी प्रोफाइल तैयार करता था। इसी नाम से फर्जी जीएसटी आरसी, बैंक ट्रांजैक्शन रसीदें और अन्य दस्तावेज बनाकर ग्राहकों को भेजता था। एडवांस बुकिंग राशि के नाम पर पैसे मंगवाकर वह संपर्क तोड़ देता था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर करीब 65 लाख रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दिया है। उसके विरुद्ध विभिन्न राज्यों और जनपदों में 100 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं।

गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के कब्जे से तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मोबाइल की जांच में व्हाट्सएप चैट, फर्जी दस्तावेजों के स्क्रीनशॉट और ठगी से जुड़े डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में निरीक्षक जोगेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक सुबोध यादव, अरविंद यादव, कौटिल्य, दिपिन राठी, अंकित आर्य, गौरीशंकर तथा कांस्टेबल शीतल शामिल रहे। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की तलाश में जुटी है।

'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म को लेकर अधिवक्ता गुस्साए

» न्यायालय परिसर से नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे

» राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को दिया

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। फिल्म ÷यादव जी की लव स्टोरी÷ के खिलाफ शुक्रवार को बार एसोसिएशन सहित कई समूह के अधिवक्ताओं ने न्यायालय परिषद से निकलकर कलेक्ट्रेट पहुंच कर प्रदर्शन किया। बाद में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट संजय बंसल को दिया है जिसमें बार एसोसिएशन के सचिव कुंवर सिंह यादव ने इस फिल्म के प्रदर्शन पर तत्काल रोक एवं कानूनी कार्यवाही किए जाने की मांग की है । बार एसोसिएशन के सचिव कुंवर सिंह यादव ने कहा कि फिल्म के शीर्षक, कथानक एवं प्रस्तुति से प्रतीत होता है कि यह कृति एक विशिष्ट समुदाय की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने तथा समाज में भ्रम एवं आकोश उत्पन्न करने की मंशा से बनाई गई है। इस प्रकार की सामग्री न केवल यादव समाज की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाती है, बल्कि सामाजिक सौहार्द, शान्ति एवं कानून व्यवस्था के लिए भी गम्भीर चुनौती उत्पन्न कर सकती है। उन्होंने फिल्म के निर्माता, निर्देशक एवं सम्बन्धित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरूद्ध विधि अनुसार कठोर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की।

अयोध्या में 'दुर्घटना' या सुनियोजित साजिश?

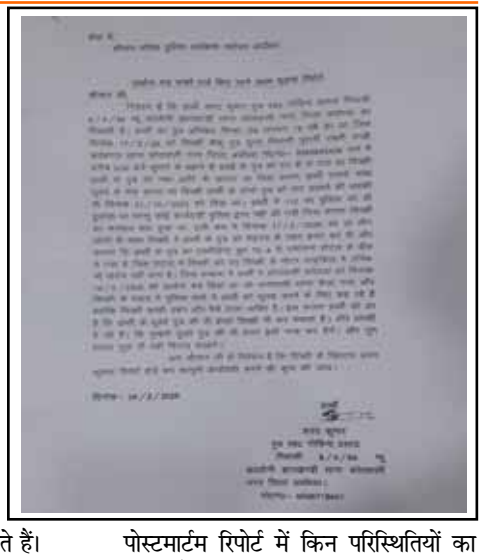

धमकियों के बावजूद कार्रवाई नहीं, 19 वर्षीय अभिषेक की मौत पर पुलिस की भूमिका कटघरे में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। यह मामला सिर्फ एक युवक की संदिग्ध मौत का नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली घटना बन चुका है। जनपद अयोध्या के न्यू कॉलोनी, झारखंडी निवासी शरद कुमार का 19 वर्षीय बेटा अभिषेक सिन्हा अब इस दुनिया में नहीं है। परिजनों का आरोप है कि यदि समय रहते पुलिस ने धमकियों को गंभीरता से लिया होता, तो आज यह नौबत न आती।परिवार के मुताबिक, अभिषेक को काफी समय से कैफू, निवासी पुरानी सब्जी मंडी, फतेहगंज द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि कैफू उसे नशे की लत लगाने की कोशिश करता था और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देता था। 21 अक्टूबर 2025 को मामले की शिकायत डायल 112 पर की गई थी, लेकिन परिजनों का कहना है कि पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

17 फरवरी 2026 की रात करीब 9 बजे कैफू अभिषेक को घर से बाहर ले गया। कुछ ही देर बाद बूथ नंबर-4 से रामायना होटल के बीच सड़क हादसे की सूचना मिली। पुलिस ने इसे दुर्घटना बताया, लेकिन परिजनों के अनुसार कई तथ्य संदेह पैदा करते हैं।

सवालों के घेरे में 'हादसा'

परिवार का दावा है कि जिस बाइक से दुर्घटना हुई, उस पर आरोपी को खरोंच तक नहीं आई।

जबकि अभिषेक की हालत गंभीर थी और बाद में उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि यह सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित साजिश हो सकती है। 19 फरवरी को पिता शरद कुमार ने थाने में प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन आरोप है कि वहां उन्हें कार्रवाई का आश्वासन देने के बजाय समझौते की सलाह दी गई। उनका कहना है कि पुलिस दबंग आरोपी के सामने नरम रुख अपनाए हुए है।

यह पूरा मामला उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है। क्या पहले मिली धमकियों की जांच हुई? कॉल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए या नहीं? पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किन परिस्थितियों का उल्लेख है?

परिवार की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (छ्ष्ठक्र) और घटनास्थल की फोरेंसिक जांच कराई जाए तथा आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए।

स्थानीय समाजसेवी महंत संत दास व्यापारी श्यामू नाग ने कहा कि यदि जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह सिर्फ एक परिवार के साथ अन्याय नहीं, बल्कि समाज के विश्वास पर चोट होगी।

आज एक मां की गोद सूनी है, एक पिता न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है। सवाल यह है कि क्या यह महज सड़क हादसा था या किसी साजिश की कहानी, जिसे दुर्घटना का नाम देकर दबाने की कोशिश हो रही है? अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पुलिस इस मामले में पारदर्शी और निष्पक्ष जांच करती है या नहीं।

एलाइनमेंट से छेड़छाड़, बजट का खेल!

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

» प्रेम कुंज होटल के सामने कैसे बन गई सड़क, जांच में उलझा एडीए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।जनपद अयोध्या में विकास के नाम पर चल रहे खेल की एक और परत खुल गई है। सीसी रोड व नाली निर्माण में अयोध्या विकास प्राधिकरण पर शासन से स्वीकृत एलाइनमेंट से छेड़छाड़ का गंभीर आरोप लगा है।स्थानीय लोगों के मुताबिक, स्वीकृत एलाइनमेंट में प्रेम कुंज होटल का नाम शामिल नहीं था। योजना के तहत भीखापुर से 14 कोसी परिक्रमा पथ को जोड़ने वाली सड़क पर यशराज होम स्टे और सर्वेश्वरी समूह के सामने निर्माण प्रस्तावित था। लेकिन नियमों को दरकिनार कर सड़क प्रेम कुंज होटल के सामने बना दी गई।आरोप है कि फरवरी 2025 में अन्य कार्यों के साथ प्रस्ताव भेजकर बजट तो स्वीकृत करा लिया गया, लेकिन जमीनी हकीकत में नक्शा ही बदल दिया गया। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर योजना के तहत 2023-24 में शुरू हुआ यह काम आज तक

अधूरा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एई राजेश तोमर ने खुद को नया बताते हुए जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। सवाल यह है क्या बिना मिलीभगत के एलाइनमेंट बदला जा सकता है?

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सीधा-सीधा ÷सुविधा बनाम कमीशन÷ का मामला है। अगर निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो विकास के नाम पर यह लूट यूं ही चलती रहेगी।

जांच ठप, मरीजों का इलाज हो रहा अंधेरे में

अयोध्या के मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त, मरीज बेहाल, सिस्टम बेपरवाह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।योगी राज में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के दावों की पोल अब अयोध्या में खुलकर सामने आ रही है। राजर्षि दशरथ स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज, अयोध्या में हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि मरीजों को बुनियादी जांच तक नसीब नहीं हो रही।

बीते एक सप्ताह से थायराइड जांच ठप है, और अब इलेक्ट्रोलाइट व ॥ड्ढ1ष जैसी जरूरी जांचें भी बंद हो चुकी हैं। नतीजा मरीज दर-दर भटकने को मजबूर हैं।डायबिटीज, थायराइड और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज बिना सही रिपोर्ट के इलाज करा रहे हैं। यह इलाज नहीं, बल्कि किस्मत के भरोसे छोड़ा गया जीवन है। निजी लैबों में हजारों रुपये खर्च करने की मजबूरी ने गरीब मरीजों की कमर तोड़ दी है। सवाल यह है कि जब सरकारी अस्पताल ही लाचार हो जाए, तो आम आदमी जाए कहां?

स्थिति इतनी भयावह है कि खुद डॉक्टर भी प्रताड़ना और अव्यवस्था से टूट रहे हैं। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अवधेश कुमार ने प्रशासन पर पक्षपात और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। जूनियर रेजिडेंट्स भी कार्यभार और अव्यवस्था से त्रस्त हैं।

यह सब उस सरकार के दौर में हो रहा है, जो स्वास्थ्य मॉडल का ढोल पीटती है। योगी आदित्यनाथ के शासन में अयोध्या जैसे पवित्र शहर का मेडिकल सिस्टम बदहाल क्यों है?

प्रशासन अब तक आंख मूंदे बैठा है। प्रभारी प्राचार्य डॉ. डी.के. सिंह सिर्फ ÷देखने÷ का आश्वासन दे रहे हैं, कार्रवाई कहीं नजर नहीं आती। यह लापरवाही नहीं, मरीजों की जिंदगी से खुला खिलवाड़ है। अगर जल्द सुधार नहीं हुआ, तो यह संकट एक बड़े स्वास्थ्य हादसे में बदल सकता है जिसकी जिम्मेदारी सिस्टम को लेनी ही होगी।

राधेश्याम त्यागी बने अयोध्या बीजेपी के जिलाध्यक्ष

समीर शाही/स्वराज इंडिया ब्यूरो

» जिम्मेदारी बड़ी,राह मुश्किल अब शुरू होगी अग्निपरीक्षा

अयोध्या।कई सप्ताहों से चल रही अटकलों और असमंजस के बाद आखिरकार भारतीय जनता पार्टी ने जिले और महानगर नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। संगठन ने जिले की कमान राधेश्याम त्यागी को सौंपी है, जबकि महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी एक बार फिर कमलेश श्रीवास्तव को दी गई है। इस फैसले से कार्यकर्ताओं में उत्साह के साथ-साथ नई उम्मीदें भी जगी हैं।

बता दे कि आरएसएस पृष्ठभूमि से आने वाले राधेश्याम त्यागी

राधेश्याम त्यागी, जिलाध्यक्ष

कमलेश श्रीवास्तव महानगर अध्यक्ष

संगठन में अनुशासित और जमीनी कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। मिल्कीपुर उपचुनाव में टिकट न मिलने के बाद वे चर्चा में आए थे। उस समय योगी आदित्यनाथ द्वारा बेहतर समायोजन का भरोसा दिए जाने की बात भी सामने आई थी। अब जिला अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठकर उनके सामने संगठन को एकजुट रखने, गुटबाजी पर लगाम लगाने और आगामी चुनावों की तैयारी जैसी बड़ी चुनौतियां हैं।

सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे नाराज कार्यकर्ताओं और उपेक्षित नेताओं को साथ लेकर कैसे चलेंगे। अयोध्या जैसे संवेदनशील और राजनीतिक रूप से अहम जिले में संतुलन बनाना आसान नहीं होगा। साथ ही, सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय भी उनकी प्राथमिकता रहेगी। पार्टी द्वारा पासी समाज से जुड़े एक कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी देना भी राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। यह फैसला सामाजिक संतुलन साधने और दलित-पिछड़ा वर्ग में संगठन की पकड़ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इससे आगामी चुनावों में भाजपा को व्यापक जनसमर्थन मिलने की उम्मीद है।

पूर्व मेयर ऋषिकेश उपाध्याय और डॉ. रजनीश सिंह मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह ने दोनों अध्यक्षों को बधाई देते हुए इसे संगठन के लिए शुभ संकेत बताया है। कुल मिलाकर, अब उहापोह का दौर समाप्त हो चुका है, लेकिन राधेश्याम त्यागी के लिए असली परीक्षा अब शुरू हुई है।

रातभर गोलाबारी, 150 से अधिक मौतों का दावा, पाकिस्तान का जेट गिराया!

- काबुल-कंधार में जेट विमानों की गूंज, 15 से 19 चौकियों पर कब्जे के दावे
- दोनों देशों ने एक-दूसरे पर भारी नुकसान पहुंचाने का किया बड़ा दावा

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में भीषण टकराव

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

काबुल/इस्लामाबाद। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव ने गुरुवार देर रात उग्र रूप ले लिया। डूरंड लाइन के आसपास रातभर चली भीषण गोलाबारी और हवाई हमलों में 150 से अधिक लोगों के मारे जाने का दावा विभिन्न पक्षों द्वारा किया गया है, हालांकि स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई और चौकियों पर कब्जे का दावा किया है।

अफगान रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अफगान बलों ने "दुश्मन के नियंत्रण" में मौजूद कम से कम 15 चौकियों पर कब्जा कर लिया है। मंत्रालय ने दावा किया कि कार्रवाई में 40 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जबकि 13 शव पाकिस्तान को सौंपे जाने की पुष्टि भी की गई है। इसके अतिरिक्त, अफगान बॉर्डर पुलिस (ABP) के प्रवक्ता ओबैदुल्लाह फारूकी ने 53 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने का दावा किया।

दूसरी ओर, पाकिस्तान की ओर से जवाबी कार्रवाई में अफगानिस्तान के दंड-ए-पाटन और सीमावर्ती रिहायशी इलाकों में हवाई हमले किए जाने की खबरें हैं। अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने हमलों की पुष्टि की, लेकिन तत्काल किसी बड़े नागरिक नुकसान से इनकार किया।

काबुल और कंधार में धमाकों की गूंज

राजधानी Kabul में देर रात जेट विमानों की आवाज और कम से कम तीन तेज धमाके सुने गए। दक्षिणी शहर Kandahar, जहां तालिबान सुप्रीम लीडर हिबातुल्लाह एखुन्डजादा रहते हैं, वहां भी हवाई गतिविधि तेज रही। अफगान पक्ष ने दावा किया है कि डूरंड लाइन के आसपास पाकिस्तान सेना के दो बेस समेत 19 पोस्ट पर कब्जा कर लिया गया है। वहीं, पाकिस्तानी सूत्रों ने इन दावों को "बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया" बताया है। अफगान सैन्य सूत्रों ने यह भी दावा किया है कि जवाबी कार्रवाई के दौरान एक पाकिस्तानी लड़ाकू जेट को मार गिराया गया। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि पाकिस्तान की ओर से नहीं की गई है।

- डूरंड लाइन 1893 में खींची गई सीमा है, जिसे अफगानिस्तान औपचारिक अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता नहीं देता।
- तालिबान शासन के बाद से पाकिस्तान-अफगान संबंधों में उतार-चढ़ाव तेज हुए हैं।
- सीमा पर तैनात अर्धसैनिक बलों के बीच अक्सर झड़पें होती रही हैं, लेकिन इतने बड़े पैमाने की कार्रवाई दुर्लभ है।
- विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप नहीं हुआ तो हालात पूर्ण सैन्य टकराव में बदल सकते हैं।

क्यों भड़का संघर्ष?

- डूरंड लाइन को लेकर लंबे समय से दोनों देशों के बीच सीमा विवाद।
- सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों के आरोप-प्रत्यारोप।
- हाल के महीनों में कई बार सीजफायर उल्लंघन और गोलाबारी की घटनाएं।
- पाकिस्तान द्वारा अफगान धरती से संचालित आतंकी नेटवर्क पर कार्रवाई की मांग।

अंतरराष्ट्रीय चिंता

- संयुक्त राष्ट्र और क्षेत्रीय शक्तियों ने संयम बरतने की अपील की
- मानवीय संकट की आशंका, सीमावर्ती गांवों से लोगों का पलायन शुरू
- यदि हवाई हमले और जमीनी कार्रवाई जारी रही तो व्यापक क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंका

यूपी में सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले

होली पर 4 दिन का महाअवकाश, त्योहार से पहले वेतन-पेंशन का तोहफा

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के करीब 17 लाख सरकारी कर्मचारियों और लाखों पेंशनरों के लिए इस बार होली खास खुशियां लेकर आई है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने 2, 3 और 4 मार्च (सोमवार, मंगलवार और बुधवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है, जबकि 1 मार्च रविवार है। इस तरह कर्मचारियों को लगातार चार दिन का अवकाश मिलेगा।

सरकार ने 28 फरवरी (शनिवार) को कार्यदिवस घोषित किया है। दरअसल, महीने के आखिरी शनिवार के स्थान पर 2 मार्च का अवकाश समायोजित किया गया है। यानी 28 फरवरी को सभी विभाग खुले रहेंगे और

➪ **योगी सरकार का बड़ा फैसला, चार दिन की छुट्टी, 17 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को होली से पहले भुगतान**

नियमित कामकाज होगा, ताकि होली के दौरान प्रशासनिक कार्य प्रभावित न हों।

होली से पहले वेतन का सख्त निर्देश:

मुख्यमंत्री ने विदेश दौरे (सिंगापुर और जापान) से लौटते ही अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी कर्मचारियों को होली से पहले हर हाल में वेतन और मानदेय का भुगतान किया जाए। इसमें नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ आउटसोर्सिंग, संविदाकर्मी और सफाईकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि भुगतान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार का मानना है कि त्योहार के मौके पर आर्थिक सुरक्षा कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाती है और परिवारों में खुशहाली लाती है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। चार दिन की छुट्टी और समय से वेतन-पेंशन का संयोजन न केवल त्योहार को रंगीन बनाएगा, बल्कि कर्मचारियों के मनोबल और कार्यक्षमता को भी नई ऊर्जा देगा।

पेंशनरों को भी राहत

सिर्फ कर्मचारी ही नहीं, बल्कि पेंशनरों के लिए भी राहत भरी खबर है। वित्त विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर कहा है कि फरवरी माह की पेंशन 28 फरवरी तक हर हाल में जारी कर दी जाए, ताकि होली की छुट्टियों के कारण किसी को असुविधा न हो।

शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों को पहले ही मिला तोहफा

इससे पहले 20 फरवरी को सरकार ने 1.70 लाख शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी का ऐलान किया था। शिक्षा मित्रों का मानदेय 18 हजार और अनुदेशकों का 17 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। पहले यह क्रमशः 10 हजार और 9 हजार रुपये था। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा था कि सरकार ने इनके हित में लगातार सकारात्मक कदम उठाए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com